



Meenakshi

20 Feb 1989

09:10 PM

Yamunanagar

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 121811801

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 20/02/1989
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 21:10:00 घंटे
इष्ट _____: 35:33:22 घटी
स्थान _____: Yamunanagar
राज्य _____: Haryana
देश _____: India

अक्षांश _____: 30:07:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 20:49:12 घंटे
वेलान्तर _____: -00:13:48 घंटे
साम्पातिक काल _____: 06:51:24 घंटे
सूर्योदय _____: 06:56:39 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:12:51 घंटे
दिनमान _____: 11:16:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 08:16:46 कुम्भ
लग्न के अंश _____: 17:28:21 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: मघा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: अतिगण्ड
करण _____: बालव
गण _____: राक्षस
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मीन

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1910	फाल्गुन	1
पंजाबी	संवत : 2045	फाल्गुन	9
बंगाली	सन् : 1395	फाल्गुन	8
तमिल	संवत : 2045	मासी	9
केरल	कोल्लम : 1164	कुंभम	8
नेपाली	संवत : 2045	फाल्गुन	9
चैत्रादि	संवत : 2045	माघ	शुक्ल 15
कार्तिकादि	संवत : 2045	माघ	शुक्ल 15

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 15
तिथि समाप्ति काल _____ : 21:01:53
जन्म तिथि _____ : 1
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : मघा
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 07:10:16 घंटे
जन्म योग _____ : मघा
सूर्योदय कालीन योग _____ : अतिगण्ड
योग समाप्ति काल _____ : 27:24:35 घंटे
जन्म योग _____ : अतिगण्ड
सूर्योदय कालीन करण _____ : विष्टि
करण समाप्ति काल _____ : 07:58:14 घंटे
जन्म करण _____ : बालव
भयात _____ : 41:33:45
भभोग _____ : 66:34:26
भोग्य दशा काल _____ : केतु 2 वर्ष 7 मा 13 दि

घात चक्र

मास _____ : ज्येष्ठ
तिथि _____ : 3-8-13
दिन _____ : शनिवार
नक्षत्र _____ : मूल
योग _____ : धृति
करण _____ : बव
प्रहर _____ : 1
वर्ग _____ : मार्जार
लग्न _____ : मीन
सूर्य _____ : धनु
चन्द्र _____ : मकर
मंगल _____ : मकर
बुध _____ : तुला
गुरु _____ : कुम्भ
शुक्र _____ : मीन
शनि _____ : वृश्चिक
राहु _____ : मेष

Pt Rupinder vashishth

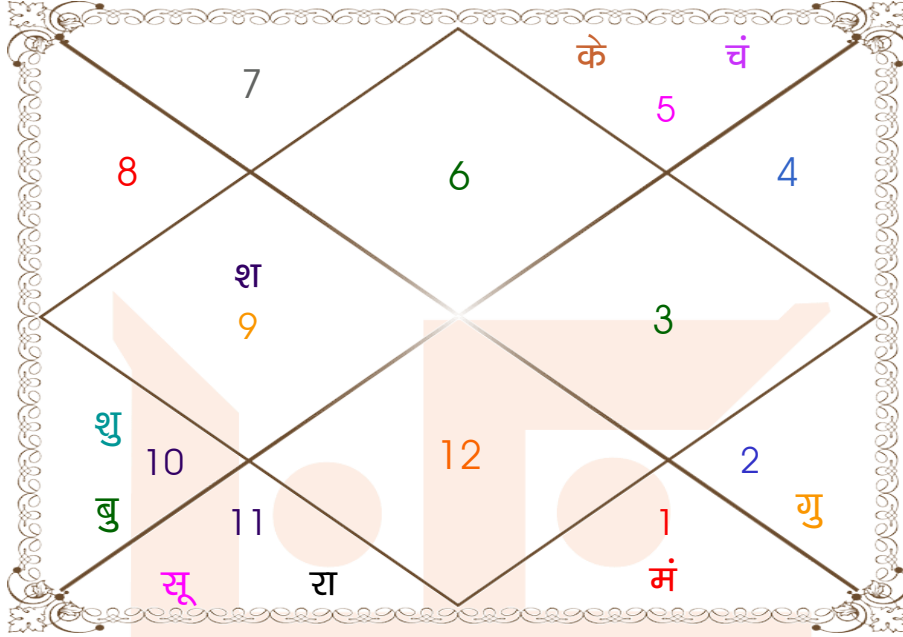
Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

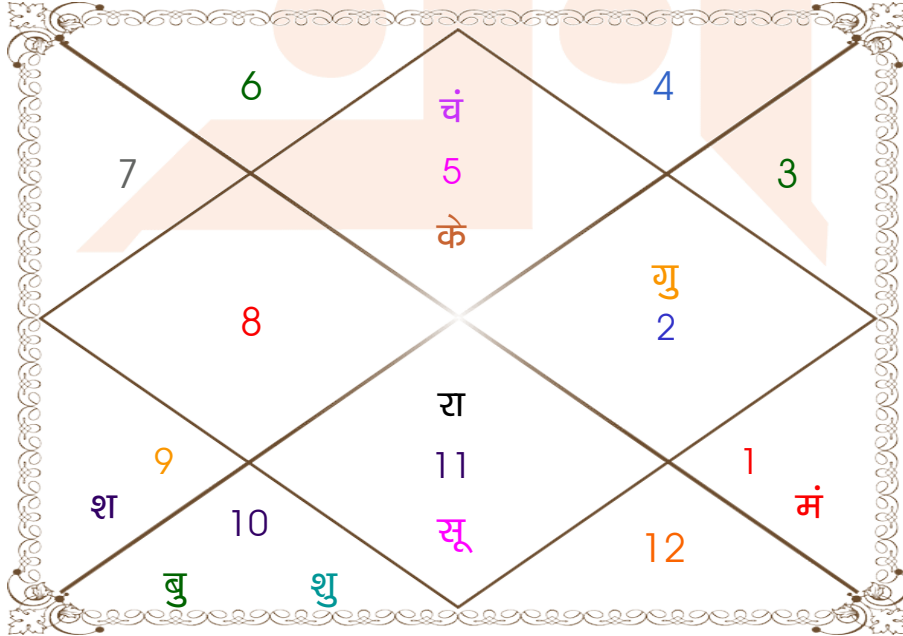
rupendersharma1971@gmail.com

जन्म कुण्डली

लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुण्डली

	मं	गु	
रा सू			
शु बु			के चं
श			ल

लग्न कुण्डली

गु	मं	रा सू
		शु बु
चं के	ल	श

विंशोत्तरी
केतु 2वर्ष 7मा 13दि
केतु

20/02/1989

06/10/2104

केतु	06/10/1991
शुक्र	06/10/2011
सूर्य	05/10/2017
चन्द्र	06/10/2027
मंगल	05/10/2034
राहु	05/10/2052
गुरु	05/10/2068
शनि	06/10/2087
बुध	06/10/2104

योगिनी

भद्रिका 1वर्ष 10मा 14दि
भद्रिका

05/01/2022

05/01/2027

भद्रिका	16/09/2022
उल्का	17/07/2023
सिद्धा	06/07/2024
संकटा	16/08/2025
मंगला	06/10/2025
पिंगला	15/01/2026
धान्या	16/06/2026
भ्रामरी	05/01/2027

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

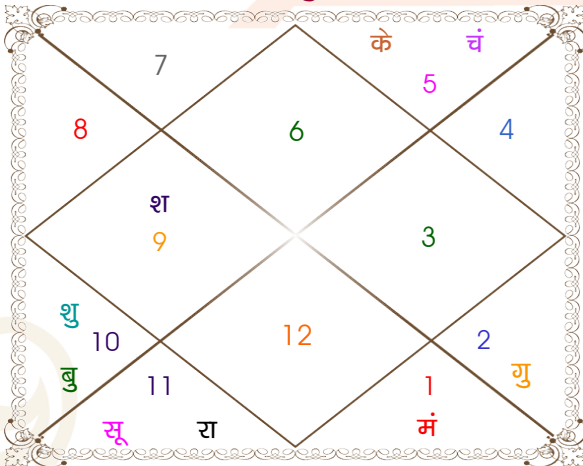
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	कन्या	17:28:21	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कुम्भ	08:16:46	शत्रु राशि	--	हाँ	--	मन्दा
चन्द्र	सिंह	08:20:29	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
मंगल	मेष	25:00:32	स्वराशि	--	--	--	मन्दा
बुध	मकर	11:56:18	सम राशि	--	--	--	नेक
गुरु	वृष	04:00:24	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	मकर	27:28:40	मित्र राशि	--	--	--	नेक
शनि	धनु	17:19:00	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
राहु	व कुम्भ	11:09:48	मित्र राशि	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	व सिंह	11:09:48	शत्रु राशि	--	--	हाँ	मन्दा

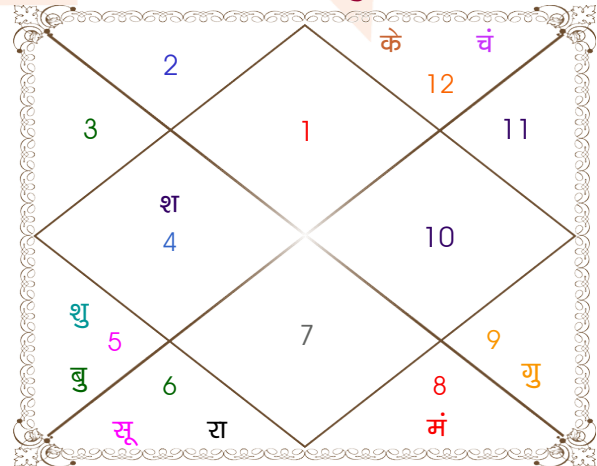
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	हाँ	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

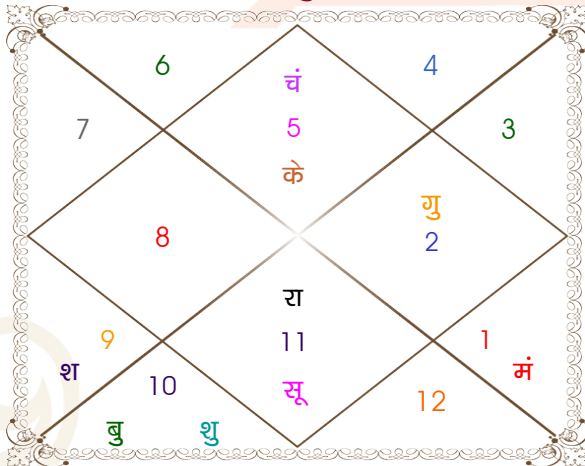
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

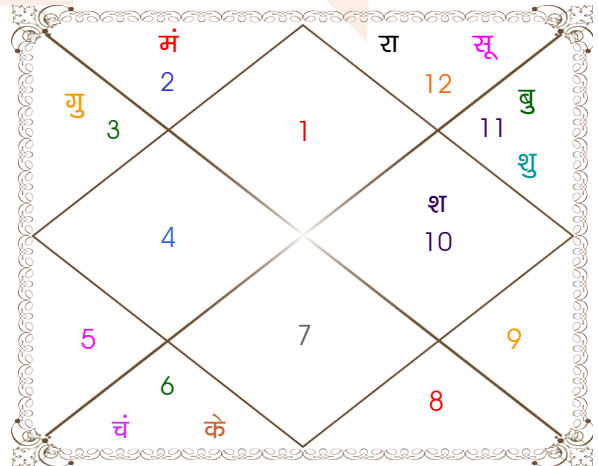
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	आग से जला, धन से बेफिक्र।	राशि
चंद्र	रात के वक्त का तूफान जिससे बस्तियां उजड़े।	--
मंगल	मौत का फंदा।	ग्रह
बुध	फकीर की आवाज या आर्शीवाद।	--
गुरु	धन का त्यागी।	ग्रह
शुक्र	बच्चों से भरा हुआ घर परिवार।	--
शनि	पानी का सांप।	--
राहु	फांसी काटने वाला सहायक हाथी।	--
केतु	ऐशो आराम जदी विरासत।	--

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 20/02/1989 21/02/1995	राहु 6 वर्ष 21/02/1995 20/02/2001	केतु 3 वर्ष 20/02/2001 21/02/2004	गुरु 6 वर्ष 21/02/2004 21/02/2010	सूर्य 2 वर्ष 21/02/2010 21/02/2012
राहु 21/02/1991 बुध 20/02/1993 शनि 21/02/1995	मंगल 20/02/1997 केतु 21/02/1999 राहु 20/02/2001	शनि 21/02/2002 राहु 21/02/2003 केतु 21/02/2004	केतु 21/02/2006 गुरु 21/02/2008 सूर्य 21/02/2010	सूर्य 22/10/2010 चंद्र 23/06/2011 मंगल 21/02/2012
चंद्र 1 वर्ष 21/02/2012 20/02/2013	शुक्र 3 वर्ष 20/02/2013 21/02/2016	मंगल 6 वर्ष 21/02/2016 21/02/2022	बुध 2 वर्ष 21/02/2022 21/02/2024	शनि 6 वर्ष 21/02/2024 21/02/2030
गुरु 22/06/2012 सूर्य 22/10/2012 चंद्र 20/02/2013	मंगल 21/02/2014 शुक्र 21/02/2015 बुध 21/02/2016	मंगल 21/02/2018 शनि 21/02/2020 शुक्र 21/02/2022	चंद्र 22/10/2022 मंगल 23/06/2023 गुरु 21/02/2024	राहु 21/02/2026 बुध 21/02/2028 शनि 21/02/2030
राहु 6 वर्ष 21/02/2030 21/02/2036	केतु 3 वर्ष 21/02/2036 21/02/2039	गुरु 6 वर्ष 21/02/2039 20/02/2045	सूर्य 2 वर्ष 20/02/2045 21/02/2047	चंद्र 1 वर्ष 21/02/2047 21/02/2048
मंगल 21/02/2032 केतु 21/02/2034 राहु 21/02/2036	शनि 20/02/2037 राहु 21/02/2038 केतु 21/02/2039	केतु 20/02/2041 गुरु 21/02/2043 सूर्य 20/02/2045	सूर्य 22/10/2045 चंद्र 22/06/2046 मंगल 21/02/2047	गुरु 23/06/2047 सूर्य 22/10/2047 चंद्र 21/02/2048
शुक्र 3 वर्ष 21/02/2048 21/02/2051	मंगल 6 वर्ष 21/02/2051 20/02/2057	बुध 2 वर्ष 20/02/2057 21/02/2059	शनि 6 वर्ष 21/02/2059 20/02/2065	राहु 6 वर्ष 20/02/2065 21/02/2071
मंगल 20/02/2049 शुक्र 21/02/2050 बुध 21/02/2051	मंगल 20/02/2053 शनि 21/02/2055 शुक्र 20/02/2057	चंद्र 22/10/2057 मंगल 22/06/2058 गुरु 21/02/2059	राहु 20/02/2061 बुध 21/02/2063 शनि 20/02/2065	मंगल 21/02/2067 केतु 20/02/2069 राहु 21/02/2071
केतु 3 वर्ष 21/02/2071 21/02/2074	गुरु 6 वर्ष 21/02/2074 21/02/2080	सूर्य 2 वर्ष 21/02/2080 21/02/2082	चंद्र 1 वर्ष 21/02/2082 21/02/2083	शुक्र 3 वर्ष 21/02/2083 21/02/2086
शनि 21/02/2072 राहु 20/02/2073 केतु 21/02/2074	केतु 21/02/2076 गुरु 21/02/2078 सूर्य 21/02/2080	सूर्य 22/10/2080 चंद्र 22/06/2081 मंगल 21/02/2082	गुरु 22/06/2082 सूर्य 22/10/2082 चंद्र 21/02/2083	मंगल 21/02/2084 शुक्र 20/02/2085 बुध 21/02/2086
मंगल 6 वर्ष 21/02/2086 21/02/2092	बुध 2 वर्ष 21/02/2092 21/02/2094	बुध 2 वर्ष 21/02/2092 21/02/2094	बुध 2 वर्ष 21/02/2092 21/02/2094	बुध 2 वर्ष 21/02/2092 21/02/2094
मंगल 21/02/2088 शनि 21/02/2090 शुक्र 21/02/2092	चंद्र 22/10/2092 मंगल 22/06/2093 गुरु 21/02/2094	चंद्र 22/10/2092 मंगल 22/06/2093 गुरु 21/02/2094	चंद्र 22/10/2092 मंगल 22/06/2093 गुरु 21/02/2094	चंद्र 22/10/2092 मंगल 22/06/2093 गुरु 21/02/2094

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुँडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्वऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या अधिक से अधिक दस-दस रुपये जितने भी रुपये सभी दे सकें) इकट्ठा कर के धर्म स्थान पर सामूहिक यज्ञ करें।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुँडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का

अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के छठे खाने में सूर्य पड़ा है। इसकी वजह से आपको ननिहाल से सुख मिलेगा और मुकद्दमें में जीत होगी। मित्र और शत्रु आप से दब कर रहेंगे। आप अपने भाग्य से संतुष्ट रहेंगे। आप अपने भाग्य पर भरोसा रखेंगे, बेफिक्र रहेंगे। आपका जन्म ननिहाल या अस्पताल में हुआ होगा। शारीरिक सुख अच्छा रहेगा। पुत्र जन्म के बाद अगर बुरा समय हो तो अच्छा समय आएगा अर्थात् लड़के की पैदाइश के बाद आपका जीवन स्थिर हो जाएगा और आपका भाग्योदय होगा। पिता का रुतबा और बढ़ेगा। पत्नी एवं संतान का सुख मिलेगा। आप अधिक पुत्रवान होंगे। दूसरी औरत के साथ संबंध रहेगा ऐसी संभावना है। आपके चरित्र पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। आप अपना काम बदल सकते हैं और उस बदले हुए काम से अच्छा फल मिलेगा। बुढ़ापे में रात का आराम, पूजा-पाठ, दान-पुण्य का शुभ असर मिलेगा। डाक्टर/कैमिस्ट के काम से लाभ होगा।

यदि आपने बहन से धन की ठगी की, सरकारी अधिकारियों से धोखा किया और मुकद्दमेबाजी में अपना ध्यान रखा, हर समय दूसरों की तरफ मांगने की नीयत रखी तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य का मंदा असर, कोर्ट में मुकद्दमों पर अधिक खर्च होगा। पांव में खराबी हो सकती है। पापी ग्रहों के संयोग से बुरा समय आरंभ होगा। जीवन में एक बार पतन होना संभव है। मामा का हाल खराब रहेगा। गुस्सा अधिक आएगा या रक्तचाप का रोग होगा। आपके नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली हो सकती है। सूर्य का मंदा समय 21-22 साल की उम्र में होगा, स्त्री पर भी बुरा असर पड़ सकता है। आप अपने बाप या बेटे के साथ एक शहर या गांव में रह कर धन नहीं कमा सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बहन से झगड़ा न करें।
2. समय कैसा भी रहे दान या कर्ज न मांगें।

उपाय :

1. चांदी या दरिया का पानी घर में कायम करें।
2. बंदर को गेहूं-गुड़ खिलायें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा बारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपके मन की बहुत बातें पूरी नहीं हो सकती हैं या तरस-तरस कर सभी काम बनेंगे। आपकी पढ़ाई-लिखाई बहुत अच्छी होगी और आप बहुत होशियार रहेंगे। एक बात पर कायम नहीं

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

रहेंगे या आपको बात करते-करते बात बदलने की आदत होगी। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ नहीं रहेगी। पढ़ाई-लिखाई का उपयोग आपके जीवन में कम होगा। वर्तमान समय अच्छा गुजरता रहेगा। भविष्य की बातें स्वप्न में देखेंगे। लोग आप पर विश्वास करके अपना भेद भी बता देंगे। आप उनकी बातों को गुप्त रखेंगे। आपके आश्वासन से लोगों को राहत मिलेगी। आप अपने पूर्वजों के हालात बढ़ा-चढ़ा कर बताएंगे। अपनी कमाई का धन जमा रहेगा। 48 वर्ष आयु के बाद बहुत सुखी रहेंगे।

यदि आपने घर में हैंड पंप या पानी का साधन छत के नीचे रख, नीम का वृक्ष काटा, चाल-चलन ठीक न रखा, बुजुर्गों के काम को नष्ट किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आप बीते समय को याद करके अपना समय खराब करेंगे। जीवन में ऐसे काम भी हो सकते हैं जो अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसे होंगे। जमीन-जायदाद आदि का कोर्ट में झगड़ा होगा, फैसला बहुत देर बाद होगा और आपके हक में होगा। आपकी संतान निकम्मी हो सकती है। आपकी पैतृक संपत्ति नष्ट हो सकती है और आप मुसीबत पर मुसीबत उठायेंगे। खुशी के बाद की घटना खुशी को समाप्त कर देगी। आपकी आंखों पर बुरा असर पड़ सकता है। दिमागी परेशानियों के कारण नींद हराम हो सकती है। मातृ सुख का अभाव हो सकता है। आपको पानी से भय है आप अपनी और ससुराल की संपत्ति पर भारी पड़ेंगे। धन का नाश कर देंगे। आपके जीवन में दुःख का कारण परस्त्री हो सकती है। इस मामले में आप दुर्बल हैं। आप आलसी, धनहीन एवं अस्वस्थ रहेंगे आपको हर प्रसन्नता के बाद कोई न कोई दुःख भोगना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. छत के नीचे हैंड पंप आदि न लगायें।
2. बीता हुआ समय याद न करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी घर पर रखें।
2. 16 लीटर वर्षा के पानी में चांदी के चार चौरस टुकड़े को डाल कर रखें।
3. आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में रखें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल आठवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से लाल किताब के अनुसार आठवें खाने में मंगल हो तो व्यक्ति मंगलीक होता है। आप मांगलिक पुरुष हैं। आपको माता-पिता का पूरा सहारा मिलेगा। आपको गृहस्थी का पूरा सुख मिलेगा। आपका हौसला बुलंद रहेगा। आप लौह पुरुष होंगे। आप नतीजा सोचे-समझे बिना, हिम्मत के साथ कष्टों का मुकाबला करेंगे। आप अपने काम-काज में मन लगा कर काम करने के आदी होंगे। आप इंसानों के लिए लड़ने को तैयार रहेंगे। आपके जीवन की रक्षा होती रहेगी। आप

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

जीवन में बाधाओं को हंस कर सह लेंगे। ससुराल से संपत्ति का लाभ होगा। शत्रुओं पर जीत हासिल करेंगे या शत्रु भय से सामने न आयेगा।

यदि आपने विधवा स्त्री के साथ झगड़ा करके उसकी बददुआ ली, घर में जमीन के अंदर रहने वाली तंदूर-भट्टी हुई, लोगों से बिना कारण झगड़ा-फसाद किया, चाकू-छुरी हर समय अपने पास रखी तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारणवश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके छोटे भाई के लिए बेहद बुरा एवं भाई के कारण, लड़ाई-झगड़े होंगे। आपका भाई आपका बेड़ा गर्क कर सकता है। अचानक दुर्घटना से रक्त विकार हो सकता है या नाखून के दोष की आशंका है। किसी आदमी पर बेवजह गुस्सा करना, पछतावा का कारण बन सकता है। आप गुस्सा करके नुकसान भी उठा सकते हैं। आप पर कोई आक्रमण हो इस बात की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घर के अंदर जमीन में तंदूर/भट्टी न रखें।
2. तोता या मैना न पालें।

उपाय :

1. विधवा स्त्री का आर्शीवाद लें।
2. तंदूर में मीठी रोटी लगा कर कुत्तों को खिलावें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध पांचवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपका जीवन खुशहाल रहेगा। आपकी ज्योतिष विद्या तथा आयुर्वेद शास्त्र में रुचि रहेगी। आपका वाक्य ब्रह्मा जी के मुंह से निकली बात के समान होगा। आपको अपने भाई से सुख मिलेगा और लाभ होता रहेगा। आपको जीवन में औलाद सुख मिलेगा। आप बिना सोचे-समझे भी कुछ बात कह दें, तो वह सच हो जाएगा। आपका चरित्र अच्छा होगा। आपकी जद्दी जायदाद, गृहस्थी और औलाद पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। 34 वर्ष की उम्र के बाद आपका भाग्य पूरी बुलंदी पर आ जाएगा। आप पूर्ण ज्ञानी और तेजस्वी प्रभाव के व्यक्ति होंगे। आपके सगे संबंधियों या किसी भी व्यक्ति पर आपका अच्छा असर रहेगा। आप अच्छे प्रबंधकर्ता हैं। अकस्मात् धन की प्राप्ति के भी योग है। आपको अपने जीवन में बहुत अच्छे दिन देखने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आपको पराविद्या, तंत्र-मंत्र पर पूर्ण भरोसा रहेगा। धर्म, आध्यात्म और ईश्वर भक्ति के प्रति आपकी रुचि अच्छी रहेगी। आपकी बुद्धि तेज है। आपको बुद्धि के खजाने और विद्या का पूर्ण लाभ मिलेगा।

यदि आपने संतान का विरोध किया सरकारी अधिकारियों से झगड़ा किया, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, आपके घर में बांस का वृक्ष हुआ तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आप कभी-कभी बहुत कड़की बातें करने लगेंगे। इस बात का परहेज रखें। संतान पर कष्ट के दिनों में आप अधिक ही चिंतित

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

हो जाया करेंगे। आप कल्पना लोक में भ्रमण करेंगे या काल्पनिक डर से भयभीत रहेंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. गऊ मुख घर में रिहाइश न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. चांदी की बेजोड़ अंगूठी बायें हाथ में पहनें।
2. तांबे का पैसा सफेद धागे में डाल कर गले में धारण करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति नौवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप धनी होंगे अर्थात् बड़े भाग्यशाली होंगे। आप अपने धर्म पर अडिग और वचन के पक्के होंगे परंतु आपके जीवन में कभी भी धन की कमी महसूस नहीं होगी। आपको जौहरी या सराफी के काम करने से बहुत लाभ होगा। आपके घर की प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आप तीर्थ स्थान की यात्रा के शौकीन होंगे। आप धर्मात्मा, ज्योतिषी, वैद्य, सिद्ध पुरुष होंगे। आप अपने पूर्वजों के माध्यम से प्रगति के पथ पर अग्रसर होंगे। भाग्य का श्रेष्ठ प्रभाव आपके ऊपर पड़ेगा यानि 36 वर्ष की उम्र में धन की प्राप्ति होगी। आप अच्छे, सम्मानित एवं अमीर खानदान में जन्म लेंगे। आप अपनी मेहनत से भी धन कमाएंगे। आपकी आदतें राजाओं जैसी होंगी। आप आध्यात्मिक तौर पर योगी स्वभाव के होंगे। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आपकी आयु के साढ़े सोलह वर्ष, 19, 33, 49 विशेष और धन प्राप्त करने वाले होंगे। आप तमाम दुनिया से लड़ कर अपनी किस्मत बना लेंगे अर्थात् आप स्वयं अपने भाग्य के निर्माता होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति को शुभ करने के लिए भाग्य पूरा साथ देगा। आपके गृहस्थ जीवन में सुख बढ़ेंगे। इसका शुभ असर पूरे परिवार पर अच्छा रहेगा।

यदि आपने धर्म छोड़ दिया या धर्म विरोधी कार्य किये, पिता से झगड़ा या विरोध किया, किया हुआ वायदा पूरा न किया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपके जीवन में बुरा समय आए उससे पहले आप दुनिया से कूच कर जाएंगे। आप अपनी औलाद से कई बार दुःखी होंगे। आपको दिल की बीमारी की आशंका है। आपका सोना गिर जाये, चोरी हो, लूटा जाये, गिरवी पड़े या बिक जाएगा, यह बहुत अशुभ लक्षण है। आलस्य करने से आपके महत्वपूर्ण कार्य अधूरे रह जाएंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

1. दिया हुआ वचन पूरा करें।
2. सोना गिरवी न रखें, गुम होने से बचायें।

उपाय :

1. गंगा स्नान करें (हर महीने में एक बार 9 महीने लगातार)।
2. धर्म की पालना करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में पांचवें खाने में शुक्र पड़ा है। जिसकी वजह से आप विद्वान, शत्रुहंता, सफेद चीजों से लाभ प्राप्त करने वाले, बच्चों और पूरे परिवार से युक्त एवं स्त्री सुख से परिपूर्ण रहेंगे। आप अपनी जाति से प्रेम करने वाले होंगे। आप दुनिया में रह कर भी दुनियादारी की बातों से अपने को मुक्त प्रमाणित करेंगे। विवाह के पांच वर्ष के बाद धन-संपत्ति और नौकर-चाकरों का सुख अधिक प्राप्त होगा। पदोन्नति भी होगी। आपकी पत्नी वफादार होगी। आपकी पत्नी के जिंदा रहने तक आपको किसी चीज़ का अभाव नहीं होगा। कोई बहुत बड़ी रुकावट नहीं आएगी। आपकी दौलत-माया बढ़ेगी। आप अपने खानदान वालों को प्यार करेंगे तो इसका असर आप पर अच्छा ही पड़ेगा। भाई के लिए भी आप अनुकूल रहेंगे। आपके परिवार में हर तरह की बरकत होगी जैसे-धन, परिवार एवं सुख शांति। आपको अपने देश से प्रेम रहेगा।

यदि आप चरित्रहीन हुए तो वृक्ष में फंसे पतंग की तरह का हाल होगा, माता-पिता की मर्जी के खिलाफ शादी या लड़की देख कर शादी की तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आप आशिक मिजाज और कामांध होंगे। जिस वजह से आपका सुख बाधित हो सकता है। गंदी सोहबत और प्रेम संबंधों में फंस कर आपकी किस्मत भी कांटों में फंस जाएगी। आप साथियों पर कई प्रकार के झंझट पैदा करेंगे। आप दिन में ज्ञान एवं रात में इश्क स्नान करने वाले होंगे। गर्भपात का भय या संतान देर से होगी, बहन-बुआ का धन नाश होगा, प्रेम-विवाह किया तो पुत्र सुख से वंचित रहेंगे, ऐसी शंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. स्त्रियों के रसिया न बनें।
2. प्रेम विवाह या अंतर्जातीय या माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध विवाह न करें।

उपाय :

1. शरीर पर दूध/दही से मलकर नहाएं।
2. गाय की सेवा करें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

शनि

आपकी जन्मकुंडली के चौथे खाने में शनि पड़ा है, जिसकी वजह से आपका जीवन सुखी रहेगा। आप स्त्री और प्रेम संबंधों से घिरे रहेंगे, परंतु जवानी के बाद कामवासना से परहेज और धार्मिक विचारों की प्रवृत्ति हो जाएगी। सेहत खराब के समय शराब दवा के रूप में काम करेगी। आपके रिश्तेदार आपकी सहायता करेंगे। माता या पिता में से एक का सुख बहुत लंबे समय तक मिलेगा। दूसरी औरतों के आगे-पीछे भागना, आपकी अपनी पत्नी के लिए बुरा असर करेगा। घर से दूर विद्या पढ़ें तो अधिक लाभ होगा।

यदि आपने किराये के मकान में रिहाईश की, मकान में काले कीड़े निकले, सांप का तेल बेचना शुरू किया, मादक चीजें बेचीं तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आप क्रोधी, धूर्त, पानी के सांप जैसे स्वभाव के होंगे, आपको मकान-जायदाद का सुख कम ही मिलेगा। कभी बीमारी के चक्कर में पड़ जाएं तो शनि की चीजों का प्रयोग करें। माता दुःखी रहेंगी या माता के लिए कष्टकारक समय होगा। विधवा स्त्री से अनैतिक संबंध रखने पर या खर्च करने से कंगाल हो जाएंगे। शराब पीने से शुभ प्रभाव नष्ट हो जाएगा। पेट में खराबी, विकार रहेंगे। आपकी जायदाद पर दूसरों का कब्जा हो सकता है और आप पर लांछन लगेगा। आपकी पत्नी आपके कारण दुःखी रह सकती है या आपको पत्नी सुख में कमी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. हरा रंग हानिकारक है।
2. काला कपड़ा न पहनें।

उपाय :

1. कुएं में दूध डालें।
2. मछली-भैंस-कौवे को भोजन का हिस्सा खिलायें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली में राहु छठे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप शत्रुहंता होंगे। आप भाग्यवान और धनवान होंगे। आप बहादुर होंगे। आप किसी व्यक्ति को फांसी की सजा से बचाने में मददगार होंगे। आप स्वयं शक्तिशाली होंगे। आपके मान-सम्मान, धर्म-ईमान के लिए राहु का शुभ प्रभाव रहेगा। आप विदेश की यात्रा करेंगे। आपमें अहंकार की भावना रहेगी। ऐशो आराम की सभी चीजें प्राप्त होंगी। किसी प्रकार की मुसीबत का असर आप पर लंबे समय तक नहीं रहेगा। आपकी दिमागी हालत ऊंचे दर्जे की होगी।

यदि आपने चाचा से झगड़ा किया, बिना लाइसेंस की पिस्तौल-बंदूक रखी, भाई की हत्या की या भाई से झगड़ा किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारणवश राहु

मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से घर में किसी की आपके जन्म के कुछ दिन के बाद मृत्यु हो जाये ऐसी शंका है। भाई का अहित करने से आपकी औलाद पर बुरा असर पड़ेगा। आपकी आवारा और बदमाश लोगों से दोस्ती होगी। नीच स्तर की स्त्री का साथ आपको नीच बना सकता है। आप अचानक धन-संपत्ति को बर्बाद करेंगे या लुटा देंगे ऐसी शंका है। बड़े भाई या बहन से लड़ाई-झगड़ा करें तो खुद बर्बाद हो जाएंगे। आपके जीवन में अग्नि, रोगभय या धन नाश की आशंका है। आप नामी चोर भी, सजा का भय क्यों, ऐसी कहावत आप पर लागू हो सकती है। आपको गोली लगने का भय है। आपके चाचा की मौत के बाद आपका घर बर्बाद हो जायेगा। यदा-कदा आप अपने हितैषी का भी नाश करने पर तुल जाएंगे। यदि आप कभी बीमार हो जायें जो आपकी खबर लेने आयेंगे वह भी बीमार होकर जायेंगे। संतान से दुःखी होंगे या संतान को क्या कष्ट है उसका पता न चलेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोरी न करें।
2. भाई से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. काला कुत्ता पालें या काले कुत्ते को भोजन का हिस्सा खिलायें।
2. 6 सिक्के की गोलियां पास रखें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के बारहवें खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप ऐश्वर्य संपन्न, सुखी वैवाहिक जीवन और जमीन-जायदाद के सुख से पूर्ण होंगे। आप सरकारी पक्ष की सेवा करेंगे। समयावधि में तबदीली की अपेक्षा तरक्की के अवसर अधिक आयेंगे। आप शुभ कार्यों में खर्च करेंगे। आपके जीवन के 24वें वर्ष में पुत्र प्राप्ति के योग बनेंगे। पुत्र जन्म के बाद घर में बहुत मात्रा में धनागम शुरू हो जाएगा। आपकी संतान भी धनवान होंगी। आपको भवन निर्माण एवं विदेश प्रवास से लाभ मिलेगा। आप आध्यात्मिक भावना के प्राणी होंगे। मन में त्याग की भावना रहेगी। निःसंतान व्यक्ति से मकान या भूमि न खरीदें। आपमें कामवासना अधिक रहती है। कई संतान का सुख प्राप्त होने की संभावना है। आपके जीवन में हमेशा ही भोग और सुख प्राप्त होंगे। आपका ससुराल पक्ष सुखी रहेगा और दौलतमंद होगा। आपके परिवार की तरक्की होगी। आप अय्याश होंगे, यह आपके लिए शुभ रहेगा।

यदि आपने कुत्ते मारे या मरवाये, भाई-बंधुओं से झगड़ा किया समाज विरोधी कार्य किये, आवारा फिरना शुरू किया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से पिता की जायदाद बर्बाद होगी। भाई-बंधुओं से और समाज में अपमानित हों, ऐसी आशंका है। कुत्तों को मारने से या कुत्ते से नफरत करने से संतान को कष्ट या संतान सुख से महरुम, निःसंतान या बच्चा गोद लेने की नौबत आ सकती

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

है। संतान प्राप्ति में कुछ बिलंब हो सकता है। ठगी-धोखेबाजी से कमाया धन कफन का सबूत बनेगा और धन की कमी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. कुत्तों को चोट न मारें।
2. ठगी-धोखेबाजी से दूर रहें।

उपाय :

1. घर में हमेशा काला-सफेद कुत्ता पालें।
2. दोहता-जमाई-साले या जीजा की सेवा करें।



Pt Rupinder vashishth

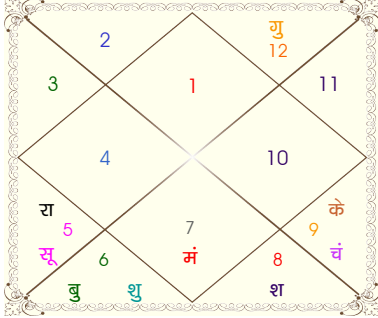
Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

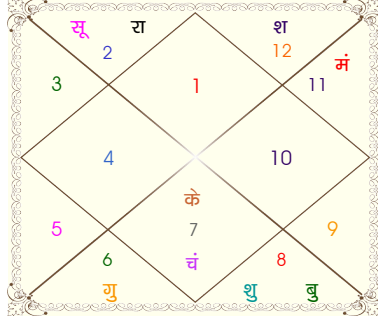
rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब - वर्ष कुंडली

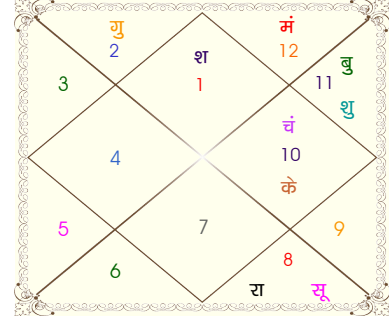
2026



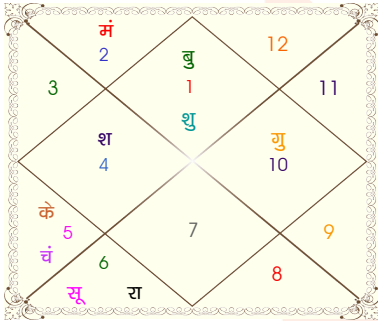
2027



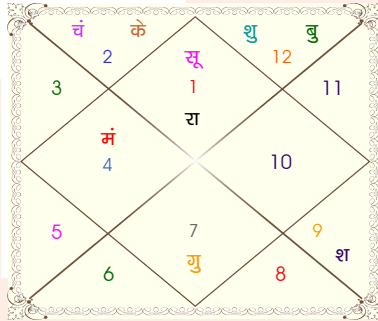
2028



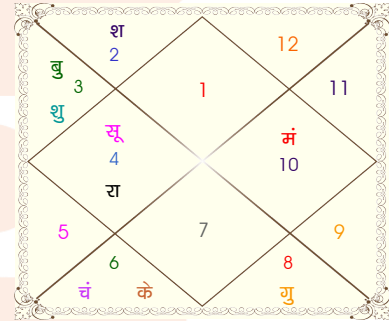
2029



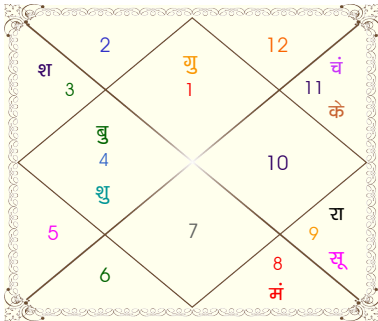
2030



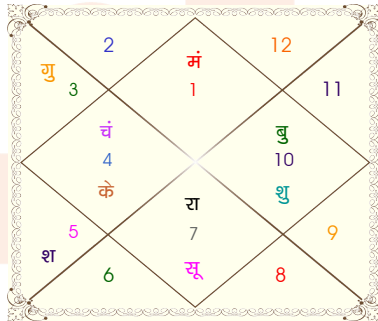
2031



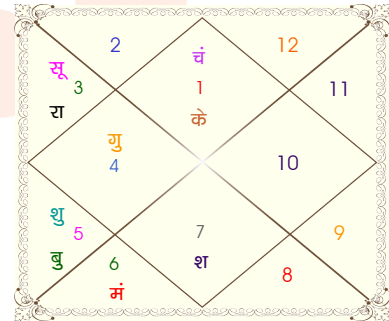
2032



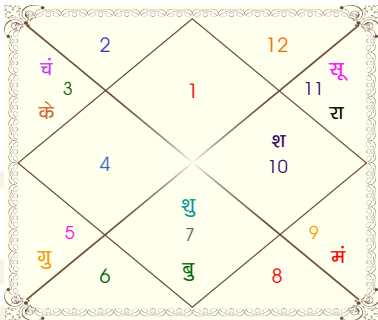
2033



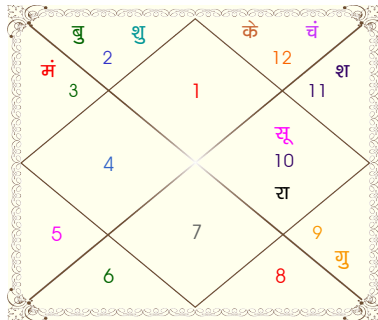
2034



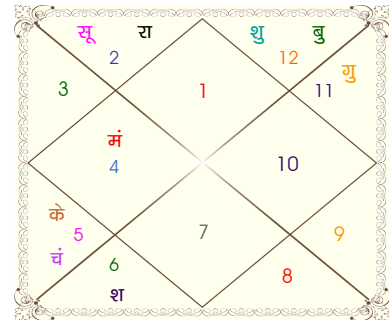
2035



2036



2037



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

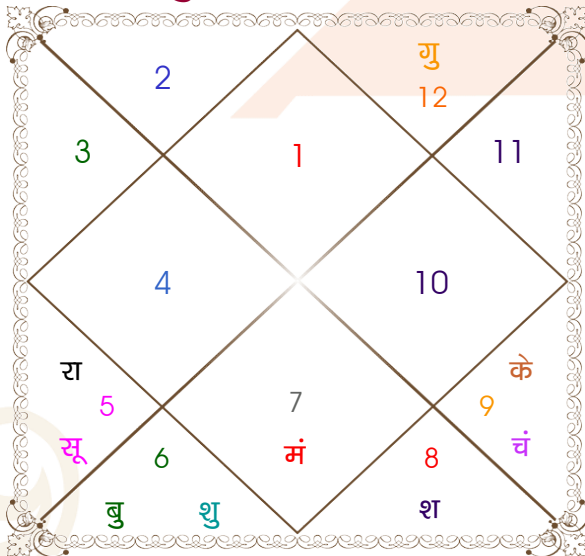
वर्तमान आयु - 38
वर्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	हाँ	मन्दा

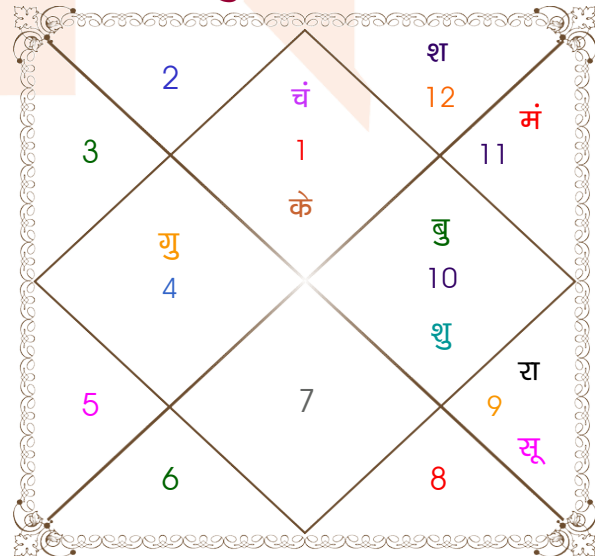
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	हाँ	--	--	--	--	--	हाँ	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupindersharma1971@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार में अगर झूठ और बेईमानी का धन आना शुरू हुआ तो वह धन रोग में नष्ट होगा, पैर में खराबी, संतान तथा आर्थिक स्थिति का आपको विशेष ध्यान रखना पड़ेगा। पत्नी की तरफ से चिंता रहेगी। आपको सब के साथ मिल-जुल कर कार्य करना चाहिए। राजा और साधू से नेक संबंध रखें।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुजुर्गों के रीति-रिवाज जरूर मानें।
2. साला, जीजा, दोहता/भांजे की सेवा करें।

चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धर्म के कामों में नास्तिकपन, तीर्थ यात्रा में हानि होगी। कंजूस स्वभाव और आवारा घूमना आपके लिये हानिकारक हो सकता है, सफेद वस्तुओं के काम अधिक लाभ न देंगे, विद्या, माता की चिंता रहेगी। अगर आप शेर बन कर रहना चाहोगे तो आपके जीवन में उथल-पुथल हो सकती है।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. तीर्थ यात्रा या धार्मिक यात्रा करें।
2. चंद्र ग्रहण में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की तरक्की और वृद्धि होगी। रोते हुए व्यक्ति को हंसाना और उसको ढांडस देकर मदद करना अपना कर्तव्य समझेंगे, इन्साफ पसन्द, ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी, विष्णु भगवान की तरह संसार के पालक सिद्ध हो सकते हैं। जज, सरपंच, नेता जैसे आदि पद का अधिकार भी मिल सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।
2. घर में बेलदार पौधे या बेलें न लगावें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिमागी कार्यों से लाभ मिलेगा, विदेश भ्रमण की इच्छा भी रहेगी, समुद्री यात्रा से लाभ मिलेगा, कृषि से संबंधित कार्यों से लाभ मिलेगा। वक्तव्य देना, एकाउंटेंट/चार्टर्ड एकाउंटेंट, लेखन, प्रिंटिंग से संबंधित कामों से लाभ होगा। मुंह से निकली बात शत प्रतिशत सही हो सकती है। ननिहाल से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़की/बहन का विवाह अपने रिहाइशी मकान की उत्तर दिशा में न करें।
2. सेवक/नौकरों पर हमेशा नज़र रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको धन से अधिक लगाव नहीं होगा। ध्यान-समाधि लगाने से धन की वर्षा होगी। आपका आशीर्वाद लेने वाला तर जाएगा और आपको सताने वाल बर्बाद हो जाएगा। खर्च अधिक जो परिवार के शुभ कामों पर होगा। त्याग की भावना भी आपके मन में रहेगी। आपको किसी का दुर्वचन नहीं लगेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. ऐसे काम न करें जिससे आपका विरोध हो।
2. किसी से धोखा-फरेब न करें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कामपूति के लिए स्त्री की प्रशंसा करेंगे और स्त्री की गुलामी भी करनी पड़ सकती है। धन का लाभ बहुत होगा। पुत्र संतान की बजाय कन्या संतान का सुख मिलने की आशंका है। जन्मदिन के बाद धन वृद्धि भी होगी। मान-सम्मान बढ़ेगा और वाहन सुख प्राप्त हो सकता है।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. स्त्री जाति का अपमान न करें।
2. पत्नी नंगे पैर ज़मीन पर न चले।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका मनमौजी स्वभाव रहेगा। एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से लाभ होगा। भाग-दौड़ के काम न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुत्र संतान की खुशी मिले, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आपके मकान के साथ बंद गली हो उस मकान में आप रिहाइश नहीं रखेंगे तो लाभ होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अपने नाम पर मकान न खरीदें।
2. सांप न मारें।
3. मकान के मुख्य द्वार की दहलीज की पूजा करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्य 1 संबंधी कामों में परेशानी, पत्नी से झगड़ा-तलाक या जुदाई तक हो सकती है जो आगे चल कर आपको कष्टकारी बनेगी। दूसरी पत्नी से संतान सुख नहीं मिलेगा इसलिये पत्नी से संबंध विच्छेद न करें। पहली संतान (लड़के) का सुख शक्की है, भाई अमीर निःसंतान या उसे संतान की चिंता रहेगी।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध चांदी का ठोस हाथी चांदी की प्लेट पर खड़ा करके घर में रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।
3. अपनी पत्नी से दो बार विवाह (फेरे) करें (पुत्र सुख के लिए)

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से इस वर्ष चोर-डाकू का साथ रखना आपके लिये हानिकारक है। चाल चलन खराब या अनैतिक संबंध आपकी संतान को कष्ट दे सकता है। पुत्र संतान की चिंता रहेगी या पुत्र सुख से वंचित रह सकते हैं। धन के प्रति चिंता बनी रहेगी, तबदीली होगी मगर तरक्की न मिलेगी या तरक्की रुक सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोने की ननतियाँ कानों में पहनें।
2. शुद्ध सोने की 2 ईंटें घर में रखें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- शुद्ध चांदी का ठोस हाथी चांदी की प्लेट में रखकर घर में स्थापित करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

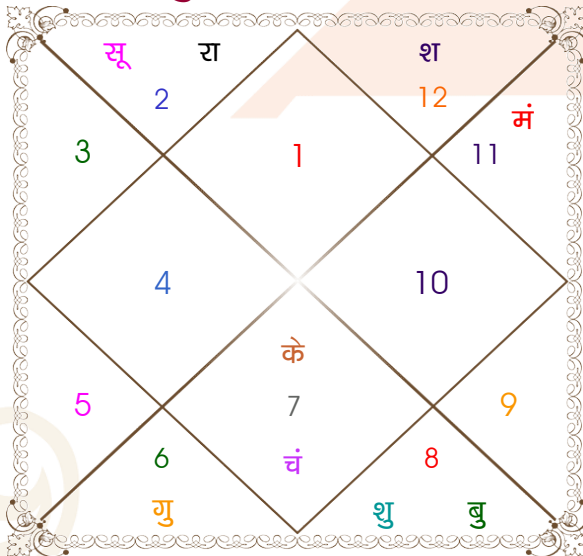
वर्तमान आयु - 39
वर्तमान दशा - शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	हाँ	मन्दा

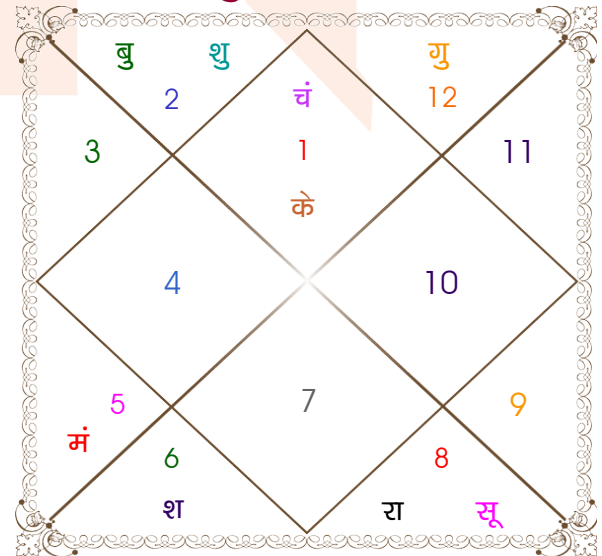
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	--	--	हाँ	हाँ	--	--

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupindersharma1971@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से इस वर्ष किसी की अमानत को हड़प करने से आपका आने वाला समय खराब हो सकता है, किसी से दूध, चावल, चांदी आदि मुफ्त या दान न लेवें। चाल-चलन खराब या अनैतिक रखने से आप की अवनति हो सकती है। धन/जमीन/स्त्री के झगड़े में न पड़ें इससे धन-मान की हानि हो सकती है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बादाम, नारियल या सरसों का तेल धर्म स्थान में दें।
2. पैतृक मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों में अधिक सफलता नहीं मिलेगी। चाल चलन खराब रखेंगे तो धन हानि का कारण बनेंगे। दूध और पानी मोल बेचने से धन, परिवार या संतान की चिंता बढ़ेगी। पत्नी से दूरी या संबंध विच्छेद का भय रहेगा। विदेश यात्रा या विदेश से संबंधित कामों में हानि का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध या पानी का दान करें।
2. इस वर्ष विवाह का योग हो तो विवाह से पहले पत्नी के वजन के बराबर चावल या दरिया का पानी घर में कायम रखें।
3. ठोस शुद्ध चांदी घर में कायम रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वभाव न्यायप्रिय रहेगा, अपनी किस्मत स्वयं अपने हाथों से बनाएंगें, कारोबार में तरक्की होगी, जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा और इस वर्ष आपको सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। पुत्र-पौत्र का सुख मिलेगा, आपको शत्रुओं से कोई भय नहीं रहेगा या शत्रु भी मित्र बन जायेंगे।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किसी पर भी भरोसा न करें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

2. कुत्ते को चोट न मारें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जादू-टोना आदि विद्याओं में रुचि या इनका प्रभाव रहेगा जो आपको लाभ न देगी। अन्दर ही अन्दर गुप्त रूप से आपको शरीर कष्ट या धन हानि का सामना करना पड़ सकता है। गृहस्थ में कुछ समस्याएं उभर सकती हैं। आलस्य आपके पतन का कारण बनेगा। खराब चाल-चलन और अनैतिक संबंध हार और हानि देंगे।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. वर्षा का पानी छत पर रखें।
2. इस वर्ष विवाह हो तो तांबे का बर्तन (गागर) मूंग साबित भरकर संकल्प करके पति/पत्नी दोनों जल प्रवाह करें। यदि विवाह हो चुका हो तो भी यह उपाय करना लाभ देगा।
3. गुदा पर सुरमा लगावें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष नकद धन की कमी नहीं होगी। हर चीज़ बिना मांगे आपको मिल सकती है। कम मेहनत अधिक लाभ। शत्रु अपने आप नष्ट हो जाएंगे या शत्रुओं पर आपकी जीत होगी, बुजुर्गों के नाम पर दान करेंगे या धर्मार्थ चीज़ें बनवायेंगे। हर समय अपने कामों को निपटाने के लिये ध्यान देना पड़ेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. कर्ज/दान या गिफ्ट न लेवें या भीख न मांगें।
2. आवारा न घूमें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गुप्त रोग का भय है। चाल-चलन ठीक रखें वरना पत्नी का स्वभाव चिड़चिड़ा हो सकता है। पत्नी से झगड़ा करना आपके लिये हार और हानि का कारण होगा। पत्नी की हर बात में हां में हां जरूर मिलायें मगर करें अपने मन की। आपके द्वारा दी गई जमानत आपको भरनी पड़ सकती है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

1. गंदे नाले में तांबे का पैसा या फूल डालें।
2. धर्म स्थान में सिर झुकाएं।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष धन व्यय अधिक होगा और वह भी परिवार के शुभ कामों पर, सरकारी विभाग और मुकदमों में जीत होगी। आपको रात्रि का पूरा आराम मिलेगा। साधना या अध्यात्म में आपकी रुचि रहेगी तो वह आपको हानिकारक हो सकती है। शराब पीना, मांस-मछली खाना आपके लिये हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जुआ-सट्टा आदि का व्यापार हानिकारक है। ससुराल और साले का विरोध किया तो हानि होगी, धर्म स्थान में आपके ऊपर चोरी आदि लांछन लग सकता है। फौजदारी मुकदमों में हानि का भय, मुफ्त अन्न या दान का अन्न न खाएँ इससे जीवन नष्ट होगा। चाल-चलन खराब हो दंड का भय रहेगा।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चांदी की ठोस गोली सफेद धागे में पिरो कर गले में पहनें।
2. माथे पर केसर/हल्दी का तिलक करें या शुद्ध सोना पहनें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी झूठ बोलने की आदत हुई या परस्त्री से शारीरिक संबंध रखे तो वह रोग व हानि के सिवाय कुछ न देंगे। आपकी संतान ही आपको डुबो सकती है। झूठा वायदा करना आपको अवनति दे सकता है। आपको अभिमान नहीं करना चाहिए। सच बोलें किसी से झूठा वायदा न करें ऐसा करने से आपकी तरक्की होगी।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. 4 केले 4 दिन जल प्रवाह करें।

2. 4 नींबू (पीले) 4 दिन जल प्रवाह करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

• नारियल या तेल या बादाम धर्म स्थान में देवे।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com